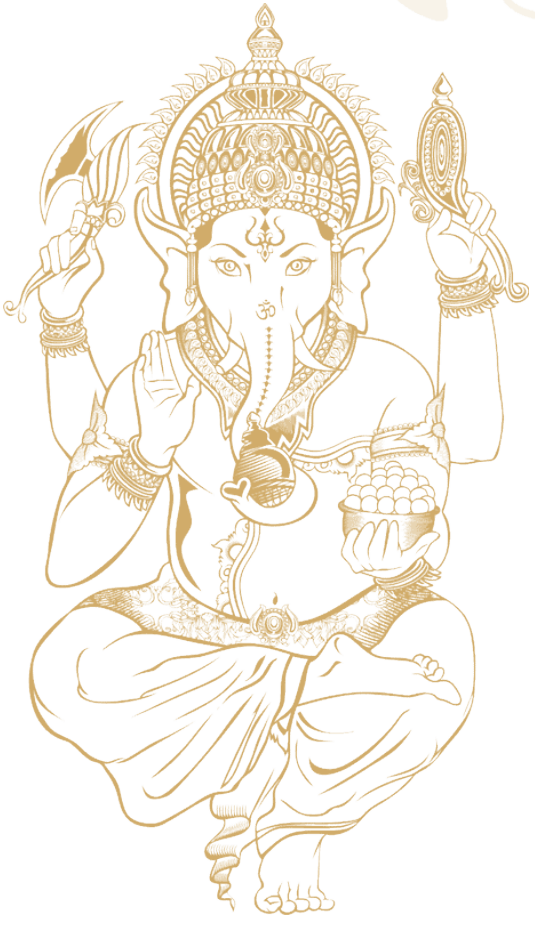

Mr. Shiv

01 Jan 1987

08:24 PM

Kanpur

Model: web-FreeVarshphal

Order No: 119849203

पुल्लिंग	लिंग	पुल्लिंग
01/01/1987	जन्म तिथि	**01/01/2025**
गुरुवार	दिन	बुधवार
घंटे 20:24:00	जन्म समय	14:14:51 घंटे
घटी 33:37:42	जन्म समय(घटी)	18:14:18 घटी
India	देश	India
Kanpur	स्थान	Kanpur
उत्तर 26:27:00	अक्षांश	26:27:00 उत्तर
पूर्व 80:19:00	रेखांश	80:19:00 पूर्व
पूर्व 82:30:00	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:08:44	स्थानिक संस्कार	-00:08:44 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:56:55	सूर्योदय	06:57:07
17:27:20	सूर्यास्त	17:27:52
23:40:28	चित्रपक्षीय अयनांश	24:12:23

कर्क	लग्न	वृष
चन्द्र	लग्न लग्नाधिपति	शुक्र
मकर	राशि	मकर
शनि	राशि-स्वामी	शनि
उत्तराषाढ़ा	नक्षत्र	उत्तराषाढ़ा
सूर्य	नक्षत्र स्वामी	सूर्य
4	चरण	3
हर्षण	योग	व्याघात
कौलव	करण	बालव
जी-जीवन	जन्म नामाक्षर	जा-जयन्ती
मकर	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर
वैश्य	वर्ण	वैश्य
जलचर	वश्य	जलचर
नकुल	योनि	नकुल
मनुष्य	गण	मनुष्य
अन्त्य	नाड़ी	अन्त्य
सिंह	वर्ग	सिंह
38	गत/तत्कालिक वर्ष	39

जन्म - विवरण

नक्षत्र	पद	अंश	राशि	व	अ	ग्रह	व	अ	राशि	अंश	पद	नक्षत्र
आश्लेषा	3	26:03:35	कर्क			लग्न			वृष	00:48:19	2	कृतिका
पूर्वाषाढ़ा	2	16:58:44	धनु			सूर्य			धनु	16:58:45	2	पूर्वाषाढ़ा
उत्तराषाढ़ा	4	08:13:29	मक			चंद्र			मक	04:37:24	3	उत्तराषाढ़ा
पू०भाद्रपद	4	01:30:30	मीन			मंगल	व		कर्क	07:35:28	2	पुष्य
मूल	4	10:28:50	धनु		अ	बुध			वृश्चि	26:08:04	3	ज्येष्ठा
पू०भाद्रपद	2	23:56:01	कुंभ			गुरु	व		वृष	18:58:14	3	रोहिणी
विशाखा	4	00:57:49	वृश्चि			शुक्र			कुंभ	03:53:49	4	धनिष्ठा
ज्येष्ठा	2	21:46:38	वृश्चि			शनि			कुंभ	20:20:43	1	पू०भाद्रपद
रेवती	2	23:03:10	मीन	व		राहु	व		मीन	06:35:47	1	उ०भाद्रपद
हस्त	4	23:03:10	कन्या	व		केतु	व		कन्या	06:35:47	3	उ०फाल्गुनी
ज्येष्ठा	4	29:57:41	वृश्चि			मु			कन्या	26:03:35	1	चित्रा

व - वकी स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:12:23

लग्न-चलित

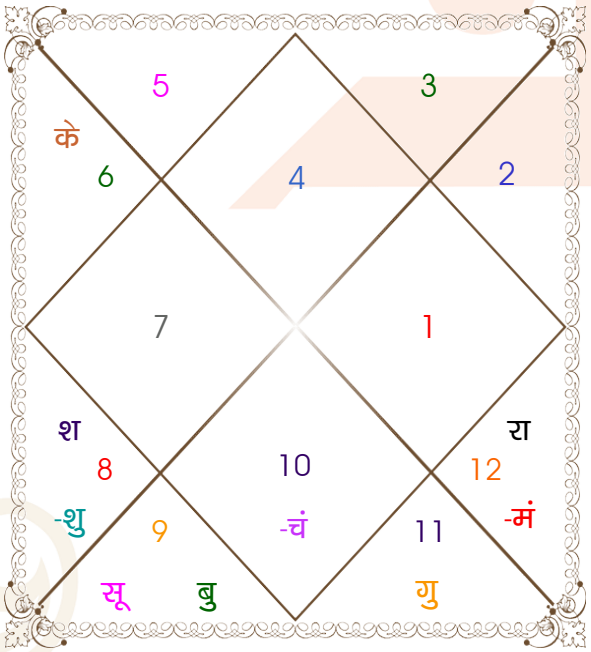

वर्ष लग्न कुंडली

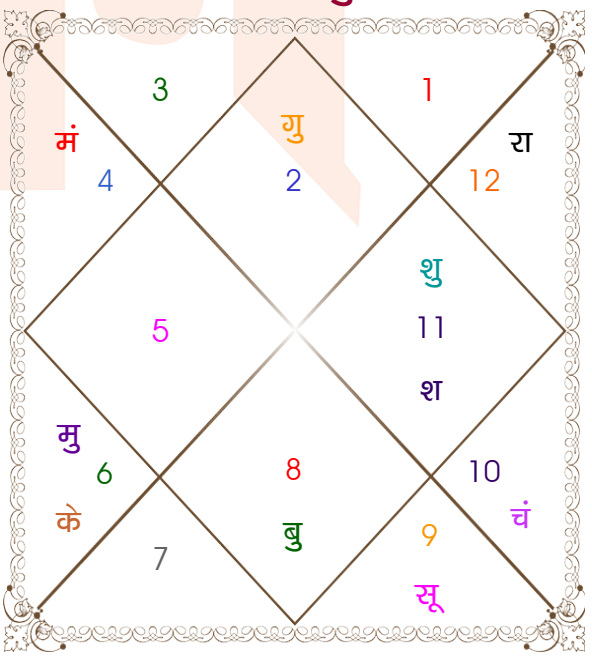

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

गुरु - शनि - केतु		गुरु - शनि - शुक्र		गुरु - शनि - सूर्य		गुरु - शनि - चंद्र	
11/09/2025 04:44		04/11/2025 04:09		07/04/2026 09:21		23/05/2026 15:43	
04/11/2025 04:09		07/04/2026 09:21		23/05/2026 15:43		08/08/2026 18:19	
केतु	14/09/2025 08:18	शुक्र	29/11/2025 21:01	सूर्य	09/04/2026 16:52	चंद्र	30/05/2026 01:56
शुक्र	23/09/2025 08:12	सूर्य	07/12/2025 14:05	चंद्र	13/04/2026 13:24	मंगल	03/06/2026 13:53
सूर्य	26/09/2025 00:58	चंद्र	20/12/2025 10:31	मंगल	16/04/2026 06:10	राहु	15/06/2026 03:28
चंद्र	30/09/2025 12:55	मंगल	29/12/2025 10:25	राहु	23/04/2026 04:43	गुरु	25/06/2026 10:13
मंगल	03/10/2025 16:29	राहु	21/01/2026 13:36	गुरु	29/04/2026 08:46	शनि	07/07/2026 15:14
राहु	11/10/2025 18:48	गुरु	11/02/2026 03:05	शनि	06/05/2026 16:35	बुध	18/07/2026 13:24
गुरु	18/10/2025 23:31	शनि	07/03/2026 13:07	बुध	13/05/2026 05:53	केतु	23/07/2026 01:21
शनि	27/10/2025 12:38	बुध	29/03/2026 09:27	केतु	15/05/2026 22:39	शुक्र	04/08/2026 21:47
बुध	04/11/2025 04:09	केतु	07/04/2026 09:21	शुक्र	23/05/2026 15:43	सूर्य	08/08/2026 18:19

गुरु - शनि - मंगल		गुरु - शनि - राहु		गुरु - शनि - गुरु		गुरु - बुध - बुध	
08/08/2026 18:19		01/10/2026 17:44		17/02/2027 12:49		20/06/2027 21:46	
01/10/2026 17:44		17/02/2027 12:49		20/06/2027 21:46		16/10/2027 04:38	
मंगल	11/08/2026 21:53	राहु	22/10/2026 13:23	गुरु	05/03/2027 23:36	बुध	07/07/2027 12:32
राहु	20/08/2026 00:11	गुरु	10/11/2026 01:32	शनि	25/03/2027 12:25	केतु	14/07/2027 08:44
गुरु	27/08/2026 04:55	शनि	02/12/2026 00:57	बुध	11/04/2027 23:54	शुक्र	02/08/2027 21:53
शनि	04/09/2026 18:01	बुध	21/12/2026 16:52	केतु	19/04/2027 04:37	सूर्य	08/08/2027 18:38
बुध	12/09/2026 09:32	केतु	29/12/2026 19:10	शुक्र	09/05/2027 18:06	चंद्र	18/08/2027 13:12
केतु	15/09/2026 13:06	शुक्र	21/01/2027 22:21	सूर्य	15/05/2027 22:09	मंगल	25/08/2027 09:24
शुक्र	24/09/2026 13:00	सूर्य	28/01/2027 20:54	चंद्र	26/05/2027 04:54	राहु	11/09/2027 23:38
सूर्य	27/09/2026 05:47	चंद्र	09/02/2027 10:30	मंगल	02/06/2027 09:38	गुरु	27/09/2027 14:57
चंद्र	01/10/2026 17:44	मंगल	17/02/2027 12:49	राहु	20/06/2027 21:46	शनि	16/10/2027 04:38

गुरु - बुध - केतु		गुरु - बुध - शुक्र		गुरु - बुध - सूर्य		गुरु - बुध - चंद्र	
16/10/2027 04:38		03/12/2027 11:41		19/04/2028 11:17		30/05/2028 20:46	
03/12/2027 11:41		19/04/2028 11:17		30/05/2028 20:46		07/08/2028 20:34	
केतु	19/10/2027 00:14	शुक्र	26/12/2027 11:37	सूर्य	21/04/2028 12:58	चंद्र	05/06/2028 14:45
शुक्र	27/10/2027 01:25	सूर्य	02/01/2028 09:12	चंद्र	24/04/2028 23:45	मंगल	09/06/2028 15:20
सूर्य	29/10/2027 11:22	चंद्र	13/01/2028 21:10	मंगल	27/04/2028 09:42	राहु	19/06/2028 23:43
चंद्र	02/11/2027 11:58	मंगल	21/01/2028 22:21	राहु	03/05/2028 14:44	गुरु	29/06/2028 04:29
मंगल	05/11/2027 07:34	राहु	11/02/2028 15:05	गुरु	09/05/2028 03:12	शनि	10/07/2028 02:39
राहु	12/11/2027 13:26	गुरु	01/03/2028 00:38	शनि	15/05/2028 16:30	बुध	19/07/2028 21:13
गुरु	18/11/2027 23:58	शनि	22/03/2028 20:58	बुध	21/05/2028 13:14	केतु	23/07/2028 21:49
शनि	26/11/2027 15:29	बुध	11/04/2028 10:07	केतु	23/05/2028 23:11	शुक्र	04/08/2028 09:47
बुध	03/12/2027 11:41	केतु	19/04/2028 11:17	शुक्र	30/05/2028 20:46	सूर्य	07/08/2028 20:34

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए उत्तम रहेगा तथा अपने समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को आप उत्साह तथा परिश्रम से सम्पन्न करेंगे तथा इनमें आपको इच्छित सफलताएं भी प्राप्त होंगी। मानसिक रूप से भी इस समय आप प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे तथा मन में शान्ति बनी रहेगी। विभिन्न शास्त्रों को ज्ञानार्जन में इस समय आपकी रूचि रहेगी तथा परिश्रम पूर्वक इनका ज्ञान प्राप्त करेंगे। साथ ही रत्न आदि की भी प्राप्ति होगी एवं मिष्ठान्न भोजन के प्रति विशेष रूचि रहेगी । इस समय आप सर्व भौतिक सुख संसाधनों को अर्जित करेंगे तथा आनन्द पूर्वक उनका उपभोग करेंगे। इस वर्ष में आपके प्रताप तथा प्रभाव में वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपके प्रभाव को स्वीकार करेंगे। साथ ही शत्रु पक्ष को पराजित करने में भी आप समर्थ रहेंगे तथा वे आपसे भयभीत रहेंगे। स्त्री पक्ष से इस समय आपको पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा तथा समयानुसार लाभ मार्ग भी प्रशस्त रहेंगे। इस समय आपकी समाजिक मान प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा दूर दूर तक आपका यश भी व्याप्त होगा।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र की उन्नति की दृष्टि से यह वर्ष शुभ एवं महत्वपूर्ण रहेगा। इस समय व्यापार में आपकी उन्नति तथा विस्तार होगा तथा सर्वत्र लाभ एवं सफलता के मार्ग प्रशस्त रहेंगे। नौकरी या राजनीति के क्षेत्र में भी इस समय आपको इच्छित उन्नति प्राप्त होगी। साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग या नेताओं से भी आपके मधुर संबंध रहेंगे तथा उनसे यथोचित लाभ एवं सहयोग प्राप्त होगा। खेल के क्षेत्र में भी इस समय आप इच्छित सफलता प्राप्त कर सकते है। आर्थिक स्थिति भी आपकी सुदृढ़ रहेगी तथा आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी। अतः सुख एवं आनन्दपूर्वक आपका यह वर्ष व्यतीत होगा।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका स्वास्थ्य उतम रहेगा तथा अपने समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को आप उत्साह तथा परिश्रम से सम्पन्न करेंगे।साथ ही इनमें आपको इच्छित सफलताएं भी मिलती रहेंगी। मानसिक रूप से भी आप शान्त तथा प्रसन्न रहेंगे तथा मन में स्फूर्ति का भाव विद्यमान रहेगा। इस समय आपकी बुद्धि स्वच्छ एवं निर्मल रहेगी तथा आपकी बुद्धिमता से सभी लोग प्रभावित रहेंगे तथा आपको यथोचित मान सम्मान तथा आदर प्रदान करेंगे। संतति प क्ष से इस समय आपको वांछित सुख एवं सहयोग की प्राप्ति होगी तथा अपने क्षेत्र में वे पूर्ण सफलताएं अर्जित करेंगे। साथ ही आपको पुत्र संतति की प्राप्ति भी हो सकती है। इस समय कार्य क्षेत्र में आपकी उन्नति होगी तथा प्रभाव में भी वृद्धि होगी। फलतः सामाजिक प्रतिष्ठा के साथ साथ यश भी दूर दूर तक व्याप्त होगा।

इस समय आप की प्रवृति धार्मिक रहेगी तथा धर्म संबधी कार्यो को करने के लिए तत्पर रहेंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा उत्पन्न होगी तथा नियम पूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करने में तत्पर रहेंगे।साथ ही किसी शुभ या पुण्य अथवा परोपकार संबधी कार्य भी आप इस वर्ष में सम्पन्न कर सकते हैं। नाना प्रकार के भौतिक सुख संसाधनों की भी इस समय आपको प्राप्ति होगी तथा प्रसन्नता पूर्वक आप इनका उपभोग करेंगे। सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग इस समय आपसे प्रसन्न रहेगा तथा इनसे आपको इच्छित सहयोग एवं लाभ प्राप्त होता रहेगा फलतः आप सुखपूर्वक अपना समय व्यतीत करेंगे।